|  |
| --- |
| 03. Juli 2022 |
| **14. Sonntag im Jahreskreis C** |
| Erste Lesung: Jes 66,10-14c; Zweite Lesung: Gal 6,14-18; Evangelium: Lk 10,1-12.17-20 oder 10,1-9 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 81, 1+6 | Lobet den Herren |
|  | GL 481, 1+4+5 | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 6 oder 7 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 170 | Allein Gott in der Höh |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 66, 1-7.16 u. 20 |  |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 54, 1 | Singt dem Herrn |
|  | GL 643, 3 | Jubelt dem Herrn, alle Lande |
|  | Oder |  |
|  | GL 144, 1+5+6 | Nun jauchzt dem Herren |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *In eurem Herzen herrsche der Friede Christi.* |
|  | *Das Wort Christi*  |
|  | *wohne mit seinem ganzen Reichtum bei euch.* |
|  | oder |  |
|  | GL 483, 1+2 | Halleluja. Ihr seid das Licht |
|  |  |  |
| Credo: | GL 491, 1-3! | Ich bin getauft |
|  | GL 456 | Herr, du bist mein Leben |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 146, 1-3! | Du rufst uns, Herr, an deinen Tisch |
|  | GL 446, 1-4 | Lass uns in deinem Namen |
|  | GL 477 | Gott ruft sein Volk zusammen |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 196 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 204 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 348, 3+4! | Du stille Macht |
|  | GL 360, 5 | Die ihr von Christi Hause seid |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 484, 1+6 | Dank sei dir, Vater |
|  | GL 489, 1-3 | Lasst uns loben |
|  | oder am Vorabend: |  |
|  | Marienlied |  |